जे. पी. अग्रवाल मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित

जे.पी. अग्रवाल कॉमर्स क्लासेस के डायरेक्टर जे.पी. अग्रवाल का प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह नें शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरर्णीय योगदान के लिए दिनांक 10 अप्रैल 2011 को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

नई दुनिया द्वारा आयोजित ''कैप्टन्स ऑफ इन्डस्ट्री'' 2010-11 अवार्ड का गरिमामयी समारोह राजधानी के हॉटल बेबीलॉन ईन में करीब तीन घंटे तक चला। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ के अग्रणी 11 उद्यमियों को नई दुनिया के ''कैप्टन्स ऑफ इन्डस्ट्री'' अवार्ड से नवाजा। **जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्यों हेतु अग्रवाल कॉमर्स/सीए. क्लासेस, निकिता टॉवर, कंकाली पारा, मेन रोड, रायपुर के डायरेक्टर जे.पी. अग्रवाल का चयन हुआ और उन्हें भी अवार्ड प्रदान किया गया।**

उल्लेखनीय है कि जे. पी. अग्रवाल मध्य भारत की सबसे पुरानी एवं नं. 1 कॉमर्स/सी.ए. कोचिंग क्लासेस के डायरेक्टर हैं। जे.पी. अग्रवाल को 23 वर्षों से सीए/सीएस/सीडब्ल्यूए पढ़ाने का अनुभव है,वे भारत में एकमात्र सी.ए. पढ़ाने वाले हैं जिन्होंने स्वयं सी.ए. इंटर में गणित सांख्यिकीय पेपर में पूरे 100 % अंक अर्जित किये थे एवं सी.ए. इंस्टीट्यूट के एक्जामिनर पैनल में मेम्बर हैं, यहां सीए–सीपीटी एवं आईपीसीसी में पूरे छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक रिजल्ट देने का रिकार्ड कायम है, तथा पूरे छत्तीसगढ़ में कॉमर्स / सी.ए. छात्रों में सर्वाधिक लोकप्रिय एक नये रूप में **निकिता अन्सॉल्वड पेपर्स/निकिता सॉल्वड पेपर्स/निकिता माईन्ड बूस्टर्स/निकिता मॉडल पेपर्स** के भी लेखक हैं (यह इन्हीं के संस्थान निकिता पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित होता है जिसकी संचालिका इनकी धर्मपत्नी श्रीमति वर्षा अग्रवाल हैं)।

पूर्व में सन् 2007 में इंदौर की संस्था मास्टर माइंड ग्रुप ने भी उनकी TMT (टाइम मैनेजमेंट टैक्नीक) पर शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्या हेतु इनका सम्मान किया था। यह सम्मान सांस्कृतिक मंत्री माननीय बृजमोहन अग्रवाल के हाथों मिला था। इसी प्रकार इन्हें राजनांदगांव के एलीगेंट कॉलेज, भिलाई के एम.जे. कॉलेज, रायपुर के प्रिंसेस कॉलेज, दिशा कॉलेज एवं अन्य संस्थाओं द्वारा भी बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

इनके प्रेरणाश्रोत एवं मार्गदर्शक पिताश्री प्रोफेसर अतुल कुमार जी अग्रवाल, भूतपूर्व डीन एवं चेयरमेन, पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, एवं वाणिज्य विषय के नवीन एकीकृत पाठ्यक्रम के कई पुस्तकों के लेखक हैं। इस उपलब्धि में इनके छोटे भाई सत्य प्रकाश अग्रवाल जो कि L.I.C. में शाखा प्रबंधक और सूर्य प्रकाश अग्रवाल जो S.B.I. में शाखा प्रबंधक हैं का भी उल्लेखनीय सहयोग मिला है।

कैप्टन्स ऑफ इंडस्ट्री
''सलाम कैप्टन्स''
संदेश

प्रति,

श्री जे.पी. अग्रवाल,

छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक एवं औद्योगिक परिदृश्य में चमकते सितारों को कैप्टन्स ऑफ इंडस्ट्री के रूप में प्रस्तुत करते हुए नईदुनिया का उद्देश्य इनकी उपलब्धियों को रेखांकित करना और उभरते हुए व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना है। छत्तीसगढ़ को देश के शैक्षणिक एवं औद्योगिक परिदृश्य पर मजबूती से उभारने की इनकी तमाम कोशिशों के बीच एक शून्य से शिखर तक पहुँचे कैप्टन्स को सम्मान /अवार्ड देना ही सलाम कैप्टन्स का उद्देश्य रहा है।

जे.आर.डी. टाटा के शब्दों में : ''सफलता उन्हीं उद्यमियों के कदम चूमती है, जो केवल कर्मयोग से अपना बिजनेस स्थापित करते हैं।'' वास्तव में ऐसे ही लोग अपने क्षेत्र के शिखर पर पहुँच कर दुनिया से सम्मान पाते हैं। इन उद्यमियों की कुछ अलग कर दिखाने की जिद, संसाधनों के अभावों की बाधाओं को भी रौंदकर उन्हें अपने क्षेत्र का कैप्टन होने का गौरव दिलाती है।

प्रदेश के कतिपय युवाओं में अपने प्रदेश को विकसित प्रदेशों की अग्रिम कतार में लाने का जुनून इस कदर सवार था कि उन्होंने उच्च डिग्री लेकर कंपनियों की मोटी तनख्वाह और बड़े पद के प्रस्तावों को भी ठुकरा कर अपने प्रदेश में कोंचिग क्लास खोलना श्रेष्ठ समझा। नए युग के इन चाणक्य की बदौलत आज प्रदेश से कितने विद्यार्थी सी.ए./सी.एस./एम.बी.ए. में चुने जा रहे हैं। इनकी संख्या गिनना मुश्किल हो रहा है, जबकि करीब 20 साल पहले तक इनमें चुने गये छात्रों की संख्या उसी तरह देखी जाती थी, जिस तरह से ओलिंपिक खेलों की पदक तालिका में भारत के खिलाड़ियों द्वारा जीते गए पदकों की संख्या को तलाशना।

इन कैप्टन्स की प्रेरणास्पद सफलता का राज यही है कि इन्होंने भेड़चाल के विपरीत सही समय पर साहसिक निर्णय लिए, समय के मूल्य को पहचाना और अभावों और लोगों की आलोचनाओं की परवाह किए बगैर आत्मविश्वास को महत्व दी। जे.आर.डी. टाटा की कही बातों को सही साबित करते हुए इतिहास के पन्नों पर अपने हाथ से अपनी सफलता की गाथा लिखने वाले **''कैप्टन्स ऑफ इंडस्ट्री''** को नईदुनिया **''सलाम''** करता है। इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

डॉ. रमन सिंह